

यमराज ने सूली पर चढ़वा दिया था 2. एक प्राचीन जाति 3. एक प्राचीन नगर।

माँड़ा पुं. (तद्.) 1. आँख में झिल्ली पड़ने का एक रोग 2. इस प्रकार आँख में पड़नेवाली झिल्ली (देश.) 1. एक प्रकार की बहुत पतली पूरी जो मैदे की होती है और इसे घी में पकती है, लुच्ची 2. पराठा या पराँठा नामक पकवान 3. उलटा या चीला नामक पकवान।

माँत वि. (तद्.) मत्त, मस्त 2. मस्ती आदि के कारण बेसुध 3. उन्मत्त, पागल 4. जिसका रंग या शोभा बहुत कम हो गई हो, फीका पड़ा हुआ 5. थका हुआ 6. हारा हुआ।

माँद पुं. (तत्.) 1. जो उदास या फीका पड़ गया हो, जिसका रंग उतर गया या हलका पड़ गया हो, मलिन 2. फीका, श्री-हीन 3. किसी की तुलना में घटकर या हलका 4. दबा या हारा हुआ, पराजित, मात स्त्री. (देश.) 1. गोबर का ढेर जो सूख गया हो और जलाने के काम में आता हो 2. जंगलों, पहाड़ों में सुरंग की तरह का कोई ऐसा प्राकृतिक स्थान जिसमें कोई हिसक पशु रहता हो।

माँदगी स्त्री. (फा.) 1. माँदा होने की अवस्था या भाव 2. बीमारी, रोग 3. थकावट।

माँदा वि. (फा.) 1. बीमार, रोग आदि से ग्रस्त। प्रयो. थका-माँदा 2. छोड़ा हुआ, बचा हुआ।

माँहरा सर्व. (देश.) हमारा।

माँहि, माहीं अव्य. (तत्.) माँह।

माँहुटि पुं. (देश.) माघ के महीने में होने वाली वर्षा उदा. नैन चुवहि जस माँहुटि नीरु -जायसी

माँहू पुं. (देश.) सरसों, गोभी, मूल, शलजम, आदि में लगने वाला एक प्रकार का हल्के हरे पीले रंग का कीड़ा जिसके शरीर के पिछले भाग पर ऊपर की ओर दो छोटी छोटी नलियाँ रहती हैं, लाही।

माँपना अं. (तत्.) नशे में चूर होना, मत्त होना, मातना।

माँह अव्य. (तद्.) में।

मा स्त्री. (तत्.) 1. माता, माँ 2. लक्ष्मी 3. ज्ञान 4. प्रकाश, रोशनी 5. चमक, दीप्ति अव्य. नहीं, मत (निषेधार्थक) 1. पानी 2. अरक जैसे- माउल्लहम।

माइ स्त्री. (देश.) माई (माता)।

माइक पुं. (तत्.) ध्वनिवर्धक।

माइका पुं. (देश.) मायका।

माइक्रोफोन पुं. (अं.) ध्वनिवर्धक microphone

माई स्त्री. (तद्.) 1. माता 2. देवी 3. वैवाहिक अवसरों पर मातृपूजन के काम आने वाला एक तरह का छोटा पूआ।

माई स्त्री. (तद्.) 1. माता, जननी, माँ 2. मातातुल्य विशेषतः कोई बूढ़ी स्त्री 3. औरत, स्त्री प्रयो. माई का लाल-ऐसा व्यक्ति जो जोखिम, त्याग या वीरता प्रदर्शन के लिए प्रस्तुत हो।

माउल्लहम पुं. (अर.) हकीमी चिकित्सा में, दवाओं में गोشت मिलाकर खींचा हुआ अरक।

माकंद पुं. (तत्.) आम का वृक्ष।

माकंदी स्त्री. (तत्.) 1. आँवला 2. पीला चंदन 3. एक प्राचीन नगरी।

माकूल वि. (अर.) 1. उचित, ठीक, वाजिब 2. यथेष्ट 3. योग्य, लायक 4. उत्तम, अच्छा, बढ़िया 5. जिसने वाद-विवाद में प्रतिपक्षी की बात मान ली हो, जो निरुत्तर हो गया हो, कायल।

माकूलियत स्त्री. (अर.) माकूल होने की अवस्था या भाव।

माक्षिक पुं. (अर.) 1. शहद, मधु 2. सोना-मक्खी 3. रूपा मक्खी 4. लोहे या ताँबे का एक प्रकार का रासायनिक विकार वि. 1. मक्षिका-संबंधी 2. मक्खियों द्वारा बनाया हुआ।

माक्षिकज पुं. (तत्.) मोम।

माखनां पुं. (देश.) मक्खन।

माखना अ.क्रि. (देश.) 1. मन में अप्रसन्न या दुःखी होना 2. क्षुब्ध होना 3. पश्चाताप करना।